॥ अथ चरचासप्ततिकविंशतिप्रथमसर्वज्ञस्तुतिछप्पय जैसवग्ग अलोकइकअनुरु
तदेष हसतावलजहा हाथलीकज्ञेसर्घविसेषे छहौंदर्वगूणपरजकालत्रयवर्त्त
मानसम दर्पनजिमप्रकासनासमलकर्ममहातम परमेष्ठीपांचौविधनहरमंगल्ला
कारिलोकमैं मुनवचकायसिरभायनूवआनंदसूधोकमैं १ वंदौनेमजिनंदचंद
सबकोसूषदाई बलनागयनवंदमुकटमनसोभापाई बिंतरइंद्रवतिसनवनचालि
सौंआवै रविससिचक्रिसिधसूरीचौविसौधावै सबदेवनिकेसिरदेवजिनसूगूरुनिकै
गूरुरायहो दूजेदयालममहाल्लपेयूनअंतमससमूदायहो २ अथाअकृतमचैत्यालै
प्रतिमासंष्यास्तुतिः छप्पय वंदौआठकिरोलाषछप्पन्नसतानू सहसचारसैबासि
एकजिनमंदिरजांनू नौसैपचिसकोलष अैपनसताइस वंदौप्रतिमासर्वसहसनौ
सैअठतालिसंअंतरजोतिकअगिनतसकलचैत्यालैप्रतिमानमौ आनंदकारकुंमहा
रसबकेरिनहिंनौवनमौ ३ अथसिधनमस्कारछप्पेय लोकईसतनवातसिसजगा
दीसविराजै एकरूपसबरूपगूनअनंतातमछाजै अस्तवस्तपरमेयअगरलघुदर्वप १

देसी चेतनअमूरतिकआठगूणअमलसूदेसीउतकृष्टजघनअवगाहनापदमासन
वरनसनत्तसे सबग्गायकलोकअलोकाविधिनमौसिद्धभवभयनसै ४ अथआ
चार्जउपाध्यायनमोःतिनोंसाधमेंतातेसाधकैंदिनाछप्पय आचारजउवझापसाध
तिनोंमनधाऊं गूनछतीसपचिसविसअरुआठमनाऊं तिनोंकोपदसाधसुकतिा
कोमारगपदसाधै मोंतनमोंगविरागरागसिवधानअराधै गूनसागरअविचलमे
रसमधीरजसोंपरिसहसहै मेंनमोपायजूगनायकरमेंरोजियबंछितलहै ५ अ
थअलोकसरूपछप्पय अमलअनादअनंतअतुलअनमितअषंडमन अच
लअजीवअरूपपंचनहिइकअलोकनन निराकारअविकारअनंतप्रदेसविरा
जै सूधसूगूणअविगाहदेसौदिसअंतनपाजै यामद्धलोकनततीनविध अकृत
अमिटअनईसरो अविचलतअनादिअनंतसबभाषोश्रीआदिसरो ६ लोक
सरूप ३१ पूर्वपछिमसातनकतलैराजूसातअधोघटामधलोकराजूएकरहाहै
ऊंचेवटगयावूहलोकराजूसातऊंचो [illegible] पांचजपो।

आगे घटाएं तो एक राजू सरदा होहै दक्षिण उत्तर आदि मध्य तें राजू सात कूंचा चौदे राजू घ
टदवे भए तहां है असंख्यात परदेस मूरतिक कीयो नेम करे हर कोन स्वयं सिद्ध कहा
है ७ पून तीनौ लोक तीन्यं वात बलये वेटे सवगेर दछछात्र अरु जान्यतन चामदेषि।
ये अधोलोक वेत्रासनि मध्यलोक थालि मनिकूर धमृदंग गनि ये सोहि विसेषिये कर
कटिधार पाउं कोंपसारि नराकारि रुढ मूरज आकार त्रविनासिये षिये धरमाहिछि
काजै मे लोक हे अलोक विचछीके कौंआधार यह निराधार तेथीये ८ पून तिण
सैते तालराजू घनाकार सबलोक घनोदधि धनतनवात के आधार है तामें चौदे चौ
षूटी त्रसनाडि सथावर परै तिनसेउनति थावर सदा रहै दछण उत्तर कोरी विपाली
से राजू सब पूर्व पछिम उंचता नी कौ विचार है राजू अंसविसा सौतिताल्वीस अधी।
क कहे लोक मीस सिधनि को मेरा नमोकार है ए पून उभय मे वेक बंस नाल।
लोक त्रसनाडि कूंचा चौदे चोरीए क राजू त्रसतरी है यामें त्रस वाहिर थावर था
वर बांधी का दूसरा सौ थगाऊ गा यो त्रस चालक करि है वाहिर थावर कोयत्र सथा।

बंधी होय मरन समैं कारमांनत्रस रीत धरी है केवल समूदधात त्रस रूप तहांजा
तती नौ भांत उहां त्रस जिन बांनि षरी है १० अथा समूचयति नमेत तालि सराजू घ
नाकार फलावट कथन: छप्पय पूर्व पछिम तलेमात मधि एक वषांनि पंच सूर्ग
सौं पंच अंत में एक पवांनि चहूं पीलाई चहूं अंसति नसाटे पर बानौ दछन उत्तर
मात साढ चौविस बषांनौ कूंचा चौदे राजू नौ अधिक तेताल्या सतिन सै यहधा।
नाकार ति हूं लोक कोके वल गंनावि षे तनसै ११ अधोलोक एक सौछान वे राजू छ
प्पय पूर्व पछिम तलेमात मध एकै गाई उभय मिलेसौ आठ अर्ध करि चारवताई द
छन उत्तर सात गूनौ अठाईस राजू कूंचा राजू सात सतक छानवे भया जू यह अ
धोलोक किसवक ह्या घनाकार जिनधर्म में मतिपरो नकै मे पापक रि रहे सूमार
ग पर मैं १२ अथ ऊरधलोक एक सौ सैतालि सराजू कथन मधलोक इक्क इ
नस्य पांदूमे तलै ईषट पूर्व पछिम दिसा अर्ध करि तिन राजू रट दछन उत्तर सा
तगूनि इक ईस वषानि कूंचा साढे तिन साठ तें हतर जो नि साढ तेहतर विधिय

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

३ हि लोक अंत सौ बं भलग राजू इक सौ सैंतालिस ब धर्म करे पावे सनग १३ अथ तिन
सैं तेतालिस लोक मे जू दा जू दा थाना छप्पय बियालिय चालिस और चोतिस अग
ई चाईस सौ नेदस नव सि सा दे वेताली साडे सैंतिस सा दे सौ तेसा दे सौ तेजा ए आ
गे दो दो हीन अंत पारे राजू णि इस सात नर क आवे जू ग क पर सौ तेथा न मैं राजू तेताली।
स तिन सै धका कार क हि ए ग न मैं १४ अथ तिन लोक के नि त वात बल्ये के जू दा जू दा प्रमा
ण क थन तत्र तेवा त बल्ये मो टे जो जन स ह स सा व ऊचे इ क राजू लो सा व स ह स धारने।
आगे सात पांच चार तिनो सो ले जो जन के मध पांच चार तिन धारे के वि तारने ब्रह्म लोक
तीनों सो ले अंत मां हि ति नो धारे सीम दोय को स ए क को स के वि चारणो तन वात धनू
ष पोंने सो ले ता के नाग पंड से सिध ए क नाग मैं नि हारने १५ तिन लोक के प ट्ट ए क
सो धारे वो ए क तिन पन सात और नो ए धारने रजीये इक ति स सात सू चा दोय ए क
ए क तीन तिप तिन तिन ऊ क तिन ए क इ कू पट्ट ल घता ए क सो धारे सर्व वीस था नि क के
गाए सव सात नर क आवे जु ग त्रय यी वे क नव उत्तरे उन घा सत नर के ते सव सु गे धना २३

दोनों सम कीत भरे १६ छ हो संघ नण क सू गुण स्थानिक थन छ हो तिसे जा हीं पां
च चोथे पंच म स ग चार संघ नन छ वे ए क सात ए क नर्क मग॥ छ हो चा र मैं स्वर्ग पंच
चार मैं सुर जावैं॥ चार सो ले मे लो क तिण नो ग्रीवक पावे दो नों संघ नन ए ज उत्तरे ए क
पंच पंचो त्तरे इक चर्म सो ले ति स घ ल है चदो जैन व चन धरे १७ अथ छ हो संघ ण
ट काल चौ दे गुण थान संघ नन बोल क थन॥ प्रथम दु ति य च र्थ ति य को ल मेंपा
हिला जा मो॥ चौ थे ष ट संघ यण पंच मैं ति न व पा नो॥ क मैं ऊ मि ति य ति न ए क छ वे क मां
हि वि क ल्प चतु क मैं ए क ए क इंद्री को नां ही॥ ष ट क है सात गुण थान ल गी ति न इ गा
रे नों ल हैं॥ इ क ल पक से न गुण ले र हे धन जि न वा नि मो क हे॥ १८ चो वि सो जि न अंत
र क थन स वैया ३२ पंचा सी ति स दस नौ क रो र ला ख न वे नो स ह स को र नो से को र न
वे नौ को र हे॥ सो सा गर व र्ष ल ख छा स व स ह स छ ह सौ घाट को र सा गर चो वन ति हुं
र स ह स ह स नेर हे न व चार ति न घाट पौ न प ल्य अर्ध पाव घाट ला षों ला ष सर्व ला खों
ला ख जोर हे॥ चो व ण छे पां च ला ख स ह स पो ने चो रा सी पूर्वो व अंत रा जि ने गा वे नि स

मोरहे २७ अथएकसौअडतालिसप्रकृतिकिसकिगुनथानलिषि छप्पय मात
प्रकृतिकाघातवीकसातमगुनथांनै तिनआवजहिहोयनवमेछतिसौनांनै दस
मैंलोभविदारगारहैसोलमिटावै चौदहमैंकेअंतवहत्तरतेरषपावै इसतोरक
मैंअडतालैंमृगतमोहसूछकरतहै प्रभुमोहचूलावीआपडिगहमइंपायनि
परतहै २८ अथमानपोतरमानकवित्त मानघातरपरवतनैंराईप्रपरानकस
हसवाईस अथमानसैंतेइसजोजनउपरचारसतकचौविस सतरसैंतेइस
उचाईजरुचारसैंपावअरुतिसरिजविमानकिहितांतिमिलेहैजोउएलाष।
कहीजगदिन २९ अथदेवलोकनारीसंजोगनेद दोयसुरगमैंकायभोगहै
दोयसुरगमैंफरसनिहार चारसुरगमैंरूपनिहारैचारसुरगमैंसबदविचार जो
सुरगमैंमनसविकलपआगै महेजमीतनिरधार अहिमिदरसबमहासुषी
हैवहांसिधसुषीअविकार ३० अथएकसौपुनहतरपुरुषकघन छप्पई।
चौविसजीनोरायपायवंदोसुषदायक॥कामदेवचौविसइसथुसरोंसिवनाय ४

क नरतथादिचक्रेसदेसछहसुरनरस्वामि॥नाभिराइमरुदेविसुतऋषभदेवपतिहोरजग
नामिजिणतातमातहुलकरपुरुषसकरउत्तमजियधरो॥कुछतदत्तवकुछमा
यधरजगतिमुकतिरूपवंदनकरों॥२३॥कर्मघकति१५८ कायोगछप्पै ग्यांना
वरनिपंचदरसनावरनिनौविध दोयवेदनिजोनमोहनिआवविसविंध आव
चारपरकारजीमकिघरुनिरांनं तथाएकसौतिनगोतदोयवेदनीयं कहिअं
तरायकिपांचइ सबसौअडतालिसजांनिये इमघावकर्मअडतालिसौलिंवरू
पनिजमानीयो २४ पुगदलवीयाकर्मविपाकी४क्षेत्रकीपाकी सवैया इक
त्तीसा दिकविसरससमानसंघननवारे बंधनसंघातदेहअंगोपांगगारहे अगुरु
लघुआतापउदयघातपरघातनिरमानपरतेकसाधारनासाहेहे अथिरसुभ
तथिरसुनअसुभसुसटपूजलविपाकिजीविपाकीआवचारहे क्षेत्रकीविपा
कीचारआनपूरविग्रहगतिवाकीजीवकीविपाकीधारेअघटारहे ३ २५ घातीया
की सवैया केवलदरशनग्यानआवरनिताकिहोयमिथ्यासमेमिथ्यातसितडा

पांचु जानियै तिन चौकरिकि वारैसर्व घाति ई एक ई ए पंजलन चारि नव नोकषाय मां
नियै ए पंच ज्ञानावरनि नव दर्शनावरनि कि तिन अंतराय पांच समकि मिथ्यात गनि
यैं देस घाति कि वज्रि त्रवा की ए कसौ दोघाततौ नौघातकर्म घात आप प्रकृति जानियै
४ वरनादिक चारसौ तैनाही देह आदि पंचदस नांहि मिथ्या एक दोय बंध नांही है
सोलै दस होय बिना बंध एकसात बिस मिथ्या उदै तिन दोय चढै उदै पांहि है उदै आ
उदीरना है एकसत्ता ई सकि सत्ता सौं अडतालि स विसेष सत्ता गाहि है मिथ्या गुनसौ
ठाणा तकाहू सत्ता ठानाई सपंचौ तिरतेगिसौ असंजी आपामांहि है ५ छप्पैय बंध
एकसौ विस उदै सौ बाइस सत्ता वै सत्तासौ अडतालि पापकी सौ कीनावै पुन प्रकृति
अडसठ अघातजी व विपाकी वास देह विपाक पैतालीस चतुचउ वाकी ई कइस
सर्व घाति प्रकृत देस घात छवीस है वाकी अघात इक अधिक सत तिन्नासि छसिव
ई सहै २८ अथ पापप्रकृति नाम सर्वया घाति सैंताली स दुषनि चनरक आव पं
चस तथानसंघनन वर्ण रस मानिये नरपसु गति आनपूरवि फरस आतप उ

द्वार इंद्री चारथूरी चालन जानिये अथिर अपजापति सूछम औसाधारन अपघा
तथावर अतनपरीवानिये दुर्भग दुसर औअनादर अजस रूपपापप्रकृति सो ३८
त्याग धर्म जानियैं २९ अथपुन्यकि ६८ प्रकृति वरणनं सवैया ३१ सूरनर
पसुआव सातागुंचनलि चालिसूरनरगति आननिरमान वास है वधनसंघा
तदेह वर्नरस पंचत्रसतिन अंगसूनदोयगंध आठफास है अगुरुलघुपचादि
संसथांणासंघनणवादर प्रत्येकथिरपर्याप्तसरास है आतापउद्योतपरघातसू
स सूभग आदरतिर्थंकरकौ वेदौ अघनास है ३० अथ जिनमत अधनवर्णन
छप्पय तिहूंकालसदृव्वपदार्थनौतुमभाषै सातततत्वपंचास्तिकायषटकाया
करावै आठकर्मगुणआठभेदलेनवाषटजीने पंचव्रतसमितचारितगतिज्ञान
वंशाने सरधैप्रतितरुचिमनधरैमुकतिमूलसमकितवहि पदनमौंजोरकरिसि
धधरधनत्रैवंगयहविधिकहि ३१ अथ १०८ कुलकोटिफल कथन सवैया ३१
पृथ्वीकायविस दोयजलसात तेजतिनवा युसातसतरु विसचारपरचौनिये वेते

चउइंद्रीसात आउनववारेजलचरसाउवारेचौपेदसजानियें परसर्पनवनारिकिपचीस
नरचौदेदेवताछवीसकुललाषकोरिमानियें दोइकोरिकोरमांहिआधखा कोरनहि
सबकोनिहारिकेदयालनाववखानियें ३२ अथगाथारे--- कगनतिनाम छप्पय
इगारिअंकपदएकवेकदससवपदधानि पुवचौदेअंकवीसअछरजिनवानी उनति
सअंकमनुष्यपलीतालीसअछर॥ सरसौकेंकछियालफेदसोधिनिअछरछर इक
तिसअंकपलकलषेकेजेबुफलाबदद्दसवरन॥ सबवातवलिगारेवरनधन्नजैन
संसेहरन ३३ तेरहमेंगुणस्थानकथसातत्रीनेंगीकथनगीतबंदछप्पेय सातत्रा
थचद्वारबंधइकसोताकहिये चौदेनावधमएपचासीसताल्हिये असीच
उरासीयइक्यासीऔरपचासी यहसतचौत्तेदविसेषजिनेश्वरभासी इककम
चालिसउदीरनाउदेवियातिसमांनिये यहतेरहमेंगुनथानमेंसातत्रिनेंगीजो
निये ३४ अथबंधदतकीयकथन छप्पेय जिवकर्मामिलिबंधदेइरसताभउ
दैनानि उदीरनाउपाइरहैजबलोसभागनि उनकरथनथितिबंधदेअपक

DR BHAU DAJI

रथनहियत संक्रमनपरूपउदिरणाविनुउपसममन संक्रमनउदीरनविनुनि
धितघइबदउदीरनिसंक्रमन चहूंविनाणिकाचतबंधदसनिनआपपहजो
निमन ३५ अथतिनलोककेविषेअकृतमचैत्यालोकिसंख्याकथन सवैया
तेइस मतकिरोफबहतरलाष पातालविषेजिनमंदिरजानै पंचहिलोकमें
चारसैअठाघनव्यंतरज्योतिकेअधिक नै लाषचौरासिहजारसंतानूतेइस
ऊर्धलोकवषानै एकेकसैषतिमानआठनिमेतिहूंजागत्रिकालसयानै ३६
अथतिनघाटनवकोटिमुनिसंख्यानुक्रम सवैया २३ पांचकिरोरतिरानवेलाष
हजारअठानवेदोसैबजानै जिवउनेगुणतैंअधेसातसैंएगारसैंव्यानवैचारशिका
नै अठानवेदसवारहचौदहसैउनतिसनवेपरवानै तेरमैंअठहिलाषहजार
अठानवेपांचसैदोइवषानै ३७ अथअढाईद्वीपज्योतिषिसंख्या कवित छंद ए
कचंदइकसूरअठासीग्रहअठाइसनषतवषांन चासउसहसपछत्तरनवसै
कोडिताराजान इकसौवतिसवइहिविधढाईद्वीपमधपरवांन सबचैतालेप्र

DR BHAU DAJI

तिमामंहितवंदनकरौ जोगिजुगपांन ३८ अथश्रावृकमोकवंधतेद ९ कविन
श्रायश्रमयेसवसेइकसवइकुनसैसत्यासिजान सातसतकउनतिसदोइसे
तेतालिसइक्कासीमांन सत्ताईस श्रोरनोतिनैएकश्रावमातेदवषांन नोमिश्रंत
कालमेवाधेश्रागलीगतिकिश्रावविदान ३९ अथसतावनजिवसमास छप्पे
य नूजलपावकवायजिनइतरसाधारण सूछमवादरकरतहोतचादसउचारन
सुपजिप्तीश्रोश्रपतिहमिलतचोदेपरवानो पर्जत्रपर्यश्रलब्धनतचालीसवषांनो
गुनवेतेचौइंद्रीत्रिविधपरवाणकपंचासतन मनसहितरहिता-कुंतेदसौसत्तावं
नधरहुगासन ४० अथश्रृगानवैजीवसमास सवैया ३१ इकावनश्रांनजोनथा
वरविकलत्रैकेगनेजदोतिनमनसूरछनगाणहे पांचोसैनिद्रीश्रसैनिजलथ
लनतचारिनोगभूमिचूचरचेचरदोदोपाणहे दोहोनारकीसुरदवनोविधमनु
ष्यदेवनोगनकुतोगभूमलेछभूवतापाणहे दोइंद्रीयतिनत्रारजमेराजतहैश्रवा
नवैदवाकरेसाधतेकहोपाणहे १९ अथसादसैतिसहजारप्रमादभेदकथनः ७

छप्पय विकथारूपपचिसश्रोरपणविसकषायगनि गुनतेछसैसवापांचइंद्रीम
नसैोगनि पुन्यैहचारहजारपंचनिद्रासैोगुनिये सहसपोनउनइसतेहश्रुरुमो
हसुमुनिये साठैसैतिसहजारसवभेदप्रमादप्रवांनिये छहेगुनथानकलोक
हैत्यागश्रापथिरगंजियै ३० अथजोतिकपटलकेतनैकपरिश्रंतरकथन छ
प्पेय सातसतकश्ररुनवैतासपरतारेराजै ताऊपरिदसभानुश्रसीपरिचंदवि
राजै श्रारनथलबुधचारतीनपरशुक्रवतायो तिनगुरुऊजतिनतिपरिशनिव
हणायो इमनवसैजोजनभूमितेंजोतिथचक्रवषांनियो इकसोदसजोजनगग
नमैफैलिरह्योपरवानियै ४३ अथगुनस्थानक१२उपसमकेकिहमारगश्रा
वैसैोकथन छप्पय मिथ्यामारगचारतिनचउपांचसातनभनि दितयएकमि
श्रातत्तियचौथापेहिलागनि श्रहतमारगपांचतिनहोएकसात्तपन पंचसु
मारगसातचारतियहोइएकमन छठेथटइकपंचमश्रधिकसातश्राउनवदस
सुनौ तियश्रधऊरधचौथेमरनग्यारचारविनुदोमुनौ ४४ अथचौवीसतिथं

८ करवर्णीकथन छप्पैय पुहपदंतपभुचंद चंदसमसेतविराजै पारसनाथसुपासह
रितपनामयछाजै वासुपुज्यअरुपदममरकमणिकंतिसोहो मुनिसुव्रतअरुने
मि स्यामसुरनरमनमोहै वाकीसोनैकंचनवरनयहविवहारसरीरद्युति नि
हचैअरुपचेतनविमलेदरसणानचारितजुत ४५ अथश्रीगोम्मटसारकाव्या
दकानमस्कारअष्टकसूचका छप्पैय वंदौनैमिजिनेंदनमोचोविसजिनेश्वर
माहावीरवंदामिवंदसबसिधमहेश्वर श्रुतकेवलीमामिपंचपदणमोसुधा
चति गोम्मटसारनमामिनेमिचंद्राचारजनति जिनसिधसरूअकलंकदेव
रगुनमनिभूषनिजहयधरि कहुविसपरूवनाभावसोयहमंगलसवविधना
हर २६ अथषटविधमंगलछप्पैय नमकुनामअरहंतथुनकुजिनबिवकलाल
हर सिध्यश्रीदायिकहिवाविचकुनिर्वाणअवनिपर कहोकल्यानककालनु
जेकुकेवलगुनगणायक यहषटविधनिचैपमहामंगलवरदायक मंगलकुने
दसवजाघ्यानमंगलसुषलहजियए यहआदमध्यपरजंतमेंमंगलराखोहियए ८

---

२१ अथपांचप्ररूपणाचोदहमारगणामधगतिहैसोकथनसवैया जिव
समासपरजापतिमनवचस्वासइंद्रीकायमाहिआवगतिजेवयानियें कायव
लजोगमांहिइंद्रीपांचप्रानमाहिआहारपरियहलोनमैप्रवीनियें क्रोधा
मांहि नयअरुवेदमांहिमैथुनहैप्रानमांहिदर्शदर्शमांहिजानियें पांचौपररूप
नाएचौदहमैंगर्भितहैगुनथांनमारगमांदोयभेदमानियें ४८ सर्वद्वीपसमु
द्रौंकेचंद्रमाज्योतिषीकथन सवैया जंबूदिपदोइलवभांबुधिमैंचारचंद्रमा
तसंखबारैकालोदधिविषालिसहै पुष्करकैनागदोइईधेरवहतरहै ऊधैवारे
मैचौसठभाषैजगदिसहै पुष्करजलधिमारदोसतप्पारैहजारआगैआगैचौगुनैवषा
नैनिसईसहै जेतेज्योतिषनेतचलेहूनेचधिकैहैसबअसंष्याचेतानेवंदितमुनीसहै
४९ अधोलोकचेतालेसंष्याकथनकवित्त छंद चौसठिलाषअसुरजिनमंदिर
लाषचुरासीनागकुमार हेमकुमारलाषबहतरछहविधलाषछहत्तरधार
लाषछांनवैवातकुमारयहपातालेलोकभावनदससार सातकारसवलाष

ग्यान

बहत्तरचेतालेदंडीसुयकार ५२ मध्यलोकचेतालेसंख्याछप्पय छंद पंचमेरकेअ
सिअसीबरकारविराजै गजदंतनिषेधिसुतिसक्कखयरचतछाजै सोसतरवेना
रधारकुरुभूमसोतर इक्काकारपहारचारचदंतनषेत्रपर नंदीसरवावनरु
चिकमैंचारचारअंजनगिरवर इममध्यलोकमैंचारसेवावनचेदीविधनहर
५१ ऊरधलोकचेतालेसंख्याकथनसवैया ३१ प्रथमसवतिसदुजेक्क बाईसति
जेबारचीसअवपाचेछवैचारलाषप्रानहै सातेआरमेपचासलोमेदरामैंचा
लिसुपरेबारेकहजारचारोसतसेसातहै सुधाएकसतगयारेसधाएकसतसा
तकरधरवानूंनवनवातरजातहै पचेपचीचवरासिलाषसतानूंहजारते
इसचेतालेसवजदीअघघातहै ५२ अथसोधर्मईइकेसेनासातप्रकारति
सकिगनतिसवैया ३१ इंइसैनसातहाथिघोरथपादेवलगधरवनृत्यसात
सातपरकारहै आदिचोरासीलाषका– दहदूनेएकसोकारछकोडिअवस
रलाषहै एतेगजसातेतेछहतेदसवकेतसतकोरछयाडिलाषआरसविनि

रधारहै औएकअवतारनोगपुनकर्मतोगमोषकोंसिधारहै अथएकेंद्री–
दिसनिपरजंतघटभेदनिवनिजईविधेषेत्रसीसाकथन सवैया फरसचारसे
धनुषअसैनिलोडुगनागनि रसनाचौसविधनुषघ्रानसौतेइंद्रीमनि चषजो
जनउतनिइससकचोबनपरबांने कानआठसेधनुषसुनेसैनिजोजांने नव
जोजनाघ्रानरसनिकरसकोनडुवादसजोजना चषसैतालिसहसविसैते
सवदेयेजिनराजा ५४ देखकपाआरसमेंतिनजोगपाईकिसमसेंसीकथन
सवैया ३१ पहिलेसमैमैंकरेदंफआरमैंसवरे परदेसआनमओदारिकदुवानि
यै दुसरेकपाटहोयसातमैसवरेसोयसवरेपर्तछवैमिथ्यजोजानिसै तिसरे
पतरचोथेपूरनसरवलोकपूरनसवैरेपांचैकारमानमानियै आवसमैंमाहि
जातकेवलसमुदघातनिजरासंख्यगुनिदेवसोवषानियो ५५ मिथ्यातमुक
तनहोयसमकितहोयदेकथन सवैया ३१ एकसमैमाहिएचसमैपरवदवध
धैएकसमैएकसमैंपरवदमरैहै वर्णनोजधन्यसैंअसंखसौअनंतगुनितनकि

इसिद्धकोअनंतनाणधरेहे जैसेएकआसपायसानधातहोयजायतैसेएकसा
तकमेरूपअनुसरेहे योनत्तहेजोषकोयजाकेउरपानहोयएकसमेबंधाय
सोईसिवचरहे ५६ आवकमेकेआवदिष्ठांत सवैया ३१ देवपेपरयाहेपटरूपा
कोनग्यानहोएजैसेंदरवानभूपदेषनोनिवारहे सहतत्वपटिअसीधारासुष
दुषकारापदराजोजिवनिकोमोहनिवारहे कावमैदिवोहेपावकरेविरकी
सुभावचित्रकारनानानामचितकेसमारहे चेकीऊचनिचनिचधरेभूपदियोम
नहैकरेएहआवकपनेरसोईहमेतारहे ५७ कवित्त अथ१४गुणस्थानेश्रा
श्रवेधार एकपतपचासततालिसछपतीसमैतिसचोवीसजान बाइसबाइ
ससोलदससअरुनवनवसातअतनवधान चौदेगुनथानकमेंइहविधआष
वधारकहे नगवान मूलचारउत्तरसत्तावनुनाअकरोथरिसवणान ५८ अथ
१४गुणस्थानकमें१४८प्रकृतिबंधो इकसोसतरेएकएकसोचौहतरसतहत
रमान सतसवतेसवउनसवावनबाइससतरेदसमेंथान ग्यारबारमतेरमस १०

ताएकबंधनहिअंतनिदान सवगुनथानकबंधेप्रकृतिइमनिहचेश्रापश्रबं
धपिछान ५९ १४गुणस्थानप्रकृतिउदे इकसोसतरेइकसोग्यारेसोअरुसो
चौसत्तालिस इकासिछेहतरबहतरछसउअरुसावउदिय उनसवसतावना
बियालिसबारेप्रकृतिउदेहेजिय चौदेगुनथानककिरचनाजेमिलनुवसि
कमुकिय ६० अथ१४गु इकृतउ ण इकसोसतरेइकसोग्यारेसोसोचो
सतादिजान इकासिनहतरउनहतरतेसवसतावनमान छपनचोयनुउ
नतालिसतेरेमेंअंतनहिपरवान यहउदिरनाचौदेथानककरेग्यानवत्तसोत्
गपान ६१ अथ आवकमे१४८प्रकृति१४गुणठानाघटाई सवैया ३१ पहलेसोअ
डतालदूजेसोपैतालतजिजेआहिसोसैतालचौथेअडतालसो पांचेगुनउसोसेता
लछठेसोतेआवनोनैदसमेंग्यारमेंउपसमीहेछयालसो आवेनामेसोअडति
दसमेंएकसोदायबरइकसोएकआगेपंइटालसो तेरेचोदमेंपिचासिसतेना
सअविनासिनमोलोकऊधरजूसैतालसो ६२ पांचहिइंद्रीकाजामनमरन

ज्ञानसम मनजस्तपावकपोतसाधारनपंचभेदसूछतवादरदसपरतेकप्पारैहै छैहजार
बारैबारैजामनमरनधारैवैतचौइंद्रीअसीसातचालिसधारहै वेवारीसपंचेंद्रीसबछा
सरसहसतिनसैवनीसेसैतिसतेहत्तरीसारहै छतिससेपिचासिस्वासमधिकति
जाअंसनमौनाघ्यौहिसबकुडुबसौउधारिहै ६३ घातिपाकर्मकिप्रकृतिः
कृति मतिश्रुतअवधिमनपरजैकेवलग्यानपंचआवरनग्यानावरनिपंचभेदहै चा
छुओअचछुओधकेवलदरसचारआवरनचारनिद्रानिद्रानिद्रोषदहै प्रचलाप्रच
लाप्रचलाथ्यानयरद्धौभेददरसनावनिमोहअठाईसवेदहै दानलाभभोगउपभोग
बलअंतरायपंचसवसैतालिसघातियानिबेदहै ६४ मोहकर्मकिप्रकृति २८ ना
म अनंतानबंधीओअप्रत्याष्यानिप्रत्याष्यानिसंजलनचारौकोधमानमायालो
भहै हासरतिअरतिसोकलेजुगपसानारिनरषंढवेदचिसिचारतकोछात है
मिथ्यातसमैमिष्यातसमैप्रकृतिमिष्यातनिभेदरसनमोहदरसनकोचौतहै अ
ठाईसमोहनिपजियविकोमोहत है नासेजथाष्यातसम्मकेवायकसोतहै ६५

अथतियाकिप्रकृति १०१ तथ अवकर्मकितिथिनिउतकिएजघनजघा साता
असातादोयवेदनि नर्कपसुनरसुरआवचारऊचनिचगोतहै नामकितिरांनूए
कसतएकएअथातआदितानअंतरायथितिनिसहोतहै नामगोतविसमोहा
निसतरकोएकोरदधिआवकिसागरतेतिसदेतहै वेदनिचौविसघरिसोले
नामगोतपांचोंअंतरमहूरतविनासैग्यानजैतहै ६६ नामकिप्रकृति ९३ नाम
तनबंधनसंघातवर्नरसजातपंचसंसथानसंघननछएआवफासहै गतिआन
पूरबिदैचारदोविहअगंधअंगतिनपैसरगात्रसथूलभासहै परजापतछिरसुभ
सुभगप्रतेकजससुस्वरआदरदोदोनिरमानस्वासहै अपघातउपघातअगुरुलघु
आभापउदोतनिर्थंकरजावंदोअथनासहै ६२ जेबूदीपपूर्वपछिमओरो जंबू
छिपएकलाष जेतदसहिहजारभद्रसालदोवनसहसचवालिसके बाकीछ
यालिसआधेआधदोनौहिवदेहहैवारन्यवनउनतिससैचाईसके तिनोंनदि
पौनेचारसतचारौहिविष्यारदोहजारआगेहिविदेहबचनईसके सतरेस

डाक्टर भाऊदाजी दास्तार संस्था
DR BHAU DAJI
MEMORIAL

हससातसतितिनजोजनकनमोंचारतिर्थंकरस्वामिजगदिसके ६८ दछिनउत्तरभोग
जेबूदिपदछनउत्तरलोषजोजनकोभागएकसौनवैएकजरतसाइये दोयहिमवन
सैलचारहैमवतषेतमहाहिमवनआवसौलेहरगाइये बतिसनिषधएतेरसऊं
धैचैसवविचमेंविदेहनागचौसवबताइये नागपांचसेछविसकवाछहनिस
किआवहत्तरबित्यलेसदासिसनाइये ६९ अधोलोकसैनिबंधविलेसंष्या सात
नर्कभूमिजुलचासपाथरनिवासइंद्रकनिजनचासविचमांहिबीलेहै पहिलोसिमंतर
चारदिसैनउनचासचारविदसामेंश्रेणतालिनयनिलेहै आवदिसमैलिबद्धतिन
सैश्रेणीतिलए श्रेणीआवआवघटैअंतचारमिलेहै सहस्रानवैसैचारजोजनअसंषधा
रदयाधरैधर्मकरैतिनोंदुषगिलेहै ७० उर्ध्वलोकसैनिबद्धविमानसंष्या ऊरधतेस
वपटस्वर्गहैं आगममेंत्रेसवहिइंद्रकविमानविचजानिये पहिलोजुगल्लताकेयह
लेकोरिजुनामजाकिचारदिसोसोनवासबषानिये चारोंदोसैश्रवतालिश्रेणीघ
टैचारचारअंतरहैचारऊंचेचारविकवानिये सौनिबद्धउनरसैसोलेजोजनश्र

संषसिधवारैजोजनपैधानमांहिआनिये ७१ लौनोदधिकैमाहि१००८ कलसज
था लौंनदधिबिचचारदिसामांहिचारकूपकहेहै मृदंगजेमतिनकौप्रमानहै पेटश्रो
रऊंचेएकलाषजोजनकेनिचैश्रीमुषताकोदसेहजारमांनहै चारविदिसामैंचारपे
टश्रोरऊंचेदसहजारएकनिचैश्रीमुषताकोबषानहै अंतरदिसाहजारपटऊंचेहैह
जारजिनैश्रीमुषसोकेधन्नजैनाषानहै ७२ तेसठइंद्रकविमानकोमांन पैतालि
सलाषहैं इंद्रकरिजुविमानसबिरष्यसिधक्षेत्रएकलाषकाकहाचवालिसघा
टैहै। तेसठमैंवासठौरऊंचेऊंचेएकएककेतोघटतिलहा सतरहजारनौसैस
तसठजोजनहैतेईसक्षतिकजागइकतिसकागहा तेसठइंद्रकनांमतेसठहिं
जिनधांमवंदोमनवचकायतिनकिसोनामहा ७३ आठप्रकृतिऊपरकेगुनस्था
नबंधनिचैउदेश्रावै छवीसप्रकृतिमहांबंधौचहांहिउदैश्रावै बाकीनिचैगु
नस्थानबंधिकेऊंचैऊंदेश्रावैताकामोरा ५ सवैया ७१ देवगतिश्रावश्रानपूर्वी
प्रकृतिनवैक्रयकअंगश्राहारकअंगचारहै अजसएआदोंऊंचेबंधैनिचैउदै

देहिसंजलनलोभविनोपंदरैनिहारहै हासरतभैगिलाननखेदनरश्रानस्नूक्ष्मअ
यजपिनसाधारनथारहै अलापमिथ्यातदेवविसवेधउदेसाधनिचैवधर्मचैन
देछियासिविचारिहै ६ ७६ नावपरावर्तनिश्चनंतभागनवकालहै कालपरावा
र्तनिश्चनंतभागलहै षेतकहोषेतकोश्चनंतभागपुगालविसालहै ताकोआ
धनामश्चर्ईपुगालपरावर्तनिफिरनोरह्योहैयाहैग्यानिग्यानेभालहै ताहिसमें
समकपुजवैकोंजोगनयो औरकाहासप्यकभालरकोकाणालहै ७५ भा
वपरावर्तनिश्चनंतनैकरैहै जिवएकभावतैंश्चनंतलोकेपरावर्तहै एकलोमेति
श्चनंतकालपरावर्तकरैकालतैंश्चनंतषेतपरावर्तहै एकषेततेंश्चनंतपुगाल
परावर्तनिपचफेरिविषैश्रापमिथ्यावसपर्तहै सातेकोविनासजेकैसम्यकप
कासतेईदर्वषेतकालभावभावतेनिकर्तहै ७६ अथपांचमिकभन आवर
तैसेनाहोयथेहिपेजुपममहेदानपुजाजुक्तविसाहिनूपयोगहै गुरुजुपदेस
तैग्यानभोईदेसनाहैअंतकोराकोरीकमैकिछितिपभोगहै जोगमैश्चनंतवार १३

चारत्नछुपाईइनिकर्णालछविनासमकितकोनजोगहै अथोश्रूपरवश्रनि
हतकर्तनिनकरैमिथ्यामोहिपछिचौथासम्यकनियोगहै ७७ नेदिसरदिपज
था एकसौतरसउकिरारचौरासिलाषजोजनकाचौरादिपबावनपहारहै दिसा
चारश्रंजनजोजनचौरासिहजारसोलदधिमुषजोजनदसहजारहै रतिकरहै
बत्तिसजोजनहजारएकलंबचौरऊंचेसबढोलकेश्राकारहै सबेपरजिनभौन
बावनविराजतेहै वर्षतिनवारदेवकरैजैजैकारहै ७८ मेरजथा मेरलाषएक
जरुउचानिचानोनूहजार चूलकाचालिसबालश्चंतरविमानहै निचैनदसाला
बनदिसाचारजिनभौनपांचसैपैनंदनचेतालेचारवानहै साढेबासठहजार
सोमनसबनचारचेतालेऊंचेसहसबत्तिसबषानहै तहांबनयऊकचेताले
चारसबसोलेमनवचकायसेतिवेदोषापहानहै ७९ पुन मेरुगानजरुतलै
दसहजारनवेकोनूसंमेहजारदसनंदनपैलहोहै नोहजारनवसेचोवनता
गकहैनहिनेमनसविषातिसेबहतररहाहै पंरुकहजारपूएकबिचबारै

चूल्लकाहैचौमैचौरानूवनपुरुकसरदहाहै सौमनसनंदनहैपांचसैकेनइसाल्लवाई
सहजारपुर्वपछममैंकहाहै ८० चौदेगुनथानकउपरसतावेनआश्रवद्वारकथन
५५ पहिलैपांचौमिथ्यातइजे अनंतानवधीगपारह अविरतप्रत्याष्यानित्रसवधहै अ
प्रत्याष्यानचारजोगचारत्रसरक्षापांचआहारकछ येषटहास्य आवल्लोल्लहै निनव
दतिनमंजलननवैतोनदमैअसतजनवचनमनवारहकहै सतअनुतयवचन
मनद्वीदारिकतरैमिश्रकामनचारगुनथानसरदहै ८४ चौदेगुनथानविषचा
रिआपवंधतथाउदयविवरन नर्कआवपहिलैवंधउदौचौथहिलोपसुआवइ
जैवंधउदपांचमैंकहि नरआवचौथेत्यागवंधउदचौदहतोसुरआवसातैवंध
उदचारिमांनहि नरपसुजिवनर्कपसुनरआवैवंधचउथैतेआगैचढवेकोंनमक
तुगहि चागैआवबंधतिजैगुनथानकमैवंधनाहिआवनासमगणिमधतिना
कोवदोमहि ८४ आवथानकमिगादनहिचारथानकसास्वादनजाणतिथंकर
सतजाहानपाईगसूछमओरकामनसरीरगमनपजेपरमाविधिसवीविधिमोक्ष १४

जाहिसोकथन नूमनिरआगिपोनकेवलओआहारकनकसुर्गपाछमैंनिगोदनो
हिगाईये सूछमनरकतेजवायमैसास्वादनोनत्रिकपसुमैंनतिर्थकरपाईये
सबहीसूछमअंगकहेहैकपोतरंगकारमानदेहकोसुपेदरूपनाईये विपुल
मनपर्जओपमओधिसवओधिकेवलहैसोक्षतातेइकैसिमनाईये ८८ सा
तनर्कसोलेस्वर्गतेथानअहिमिंइत्यनिकथान सातैतनिकसपसुछमेनर्क
तमांहिपांचमहाव्रतचौथेसेतिमाषसारहै तिजैइजेपहिलेतैआपैजनरायहो
यतोनत्रिकसुरगदोयएकंइंद्रीधारहै षादशमैंसुर्गसेतिपंचेंद्रीपसुहोयऊपरको
आयोएकनरकोआतारहै दर्पनइसुधर्मशानिलोकमाहतोकोनेकसवीरथा
सिधिमोक्षलहैनमोकारहै ८७ सोलेकषायदिष्टांततथाफला पाहनकीरघ्थ
नपाथरकोवासविछानमीरंगसमचारोनर्कमांहिलेधरे हल्लिकहाऊथंतम
षमिंगगाऊमिल्लक्रोधमानमायालोभनिरजंचमैंपरे॥रथल्लिकगाउथंनगामूतस
देहमेल्लकषायतुरंजिवमानुषमेंओतरे जलरेषवेतदंडघुरपाहलदरंगघोनो

तणचारभावसुगरिक्कोंकरे ८८ चौतिसभावचौदेगुनस्थानकविषेकथन पहि
लेमिथ्यातश्रुतवदूसरेविनंगतिनलेस्यातिनश्रवृतनरकदेवचारमें पसुपांच
लेस्यादोयमानेंलोभदसैंलगक्रोधमांनमायातिनवेदनोविरचारमें सेततेरे
नरभवजिवतश्रसिद्धचौदेपंचलब्धश्रुगपानचक्षुश्रचक्षुवारमें चौतिसोभाव
कहेचौदेगुनथानकमें वेउनिसवारहमेंमहोश्रविकारमें ८७ उनिसभावचा
रहगुनथानकमें उपसमचोथगपारवेदकहेचोथमातछयाकचौदेचोथदसव्र
तपांचमें गपानतिनतिजेवारमनपजेयछवेवारवारितसरावगछवदशोकहा
सांचमें उधतिजवारउपसमचारितगपारदिछायकचारितवारचौदेकमेंबाच
में पंचलधछायकदरसगपानतेरचौदनमोनावउनइसछुटानकश्राचमें ८०
चौदेगुनथानकमेंत्रेपनभावविचारा कविन्त चौतिसचतिसतेतिसछतिसइक
तिसइकतिसमान श्रगारेसश्रवाईसवाईसइकश्रविसवारमेंथान चौदे
तेरेश्रंतमथानकपंचभावसिधालेजान समकज्ञानदरसवलजिवतनहवे १५

सौतेंश्रापविगंन ८१ चारोंगतिमेंश्राश्रवचारयोग वैक्रियकदोयविनांनरपंच
पनचारश्राहारकदोयविनात्रेपनत्रिजंचहे श्रौदारिकदोयदोयदोयश्राहार
कयंकवेदपांचविनादेवनिकेवावनकोसंचहे श्राहारकदोयदोयश्रौदारिक
नरनारछहोंविनाइकावननकमेंप्रपंचहे चारोंगतीमांहिश्रेसेश्राश्रवसरू
पजांननमोसिधभगवांनजहोनाहिरंचहे ८२ चारोंगतिमेंत्रेपनभावयोग सा
स्वतोसुभावपंचभावसिधवंदतहोतिनोंगतिविनानरकेपचासदिसहे छायक
केश्राठसमकितविनांमनपजैचारतिदोग्पानहविनपसुर्जनतालिसहे सुभलेे
स्यातिननरनारवेददेसहत्याएछहोंभावविनानारकतेतिसहे हिनतिनलस्या
छंकवेदचारभावनोहिश्रुतलेस्यानरनारसुरकेचोतिसहे ८३ पटलेस्याचा
लेमिथ्यातगुनथानबंधयोगो विकलत्रैसछमसाधारनश्रपजोपतनकेगतिश्रा
नपूरविनकेश्रावहे मिथ्यामांहिलेस्यातिनबाधेइकसोसतरेनचोविनापित
केश्रगेतरसोतावहे एकेंद्रीथावरश्रोश्रातापदूनतिनविनापदमएकसोपां

चप५बंधकौनपावहै पसुगतिस्रावस्रानपूरविउद्योतचारिविनासुकलसौ एकवाधैपुंना
चावहै ९४ चौरासिलाषजिवयोरा सातलाषपृथ्विकायसातलाषस्रपकाय सातला
षतेजकाय सातलाष वातहै सातलाषनित्यस्रोहतरसातर सातसाधारनदसला
षपरतेकाकेंद्रीगातहै बेतेचौइंद्रीदोदो मानुषचौदहलाष नर्कसुरगपसुरचारला
षजातहै चौरासिलाषजातमोक्षपरछिमाकरोहमनैकूंछिमाकरिवैरकियेथा
तहै ९५ त्रैसवप्रकृतीनाम नरकपसूगतिस्रानपूरविप्रकृतिचारपंचिंदियविना
चारस्रातपउद्योतहै साधारनसूछमस्रोथावरप्रकृतितेरनरस्रावविनातिनमि
लतसोलैहोतहै सैतालिसघातियाकिसैसवप्रकृतिसवनासनाशतिथंकरगोनस
ईजातहै देवनिकेदेवस्रारहंतहैपरमपूजतिनहिकोविवपूजहोहिकंचगातहै
९६ चारगतिविपेबंधप्रकृतिनोम औदारिकदोय स्राहारकदोय नर्कदेवगतिस्रा
नस्रानपूरविहसौवषानिहै विकलत्रैसूछमसाधारनस्रपर्जापतसोलैविनसतचा
रदैवकैप्रवानिहै एकेंद्रीस्रावरस्रातापतिनप्रकृतिविनानर्कएकसतबंधजोगजो १६

निहै तिर्थकरस्राहारकविनोपसूसौसतरैनरकेविसासौसबनासैसिबंधवानि
है ९७ छकायजिवस्राउ मदुनूमबारेपरनूवाईसजलनसातवातितिनतरूकाय
किदसहजारहै पृथिविकेबहत्तरसहसवियासितिससोपस्रागदिनतिनदोइंद्रीवरा
सवारहै तेइंद्रीदिनउनचासचौवेइंद्रीछछासमरीसपपूरा वांगनवस्रंबधारहे
मूछकारपूरबमनुषपसूतिनपल्लसागरतेतिसदेवनारकिसारहै ९८ स्रौथति व
कृत्तनारगनति षटपांचतिनएकषट चारदोदोपांचएकएकचौषटतिनोंगहै
नवचौचौतिनतीनपांचएकसौग्यारहदोयदोबत्तिसपांचतिनतारएलहै कृत
कादिवाईसकेसवदोसोइकतालिएकएकके ग्यारहमेपारेसरदहै दोयला
षसरसगहजारनवसेवानूंसवमेंचैतालेप्रतिबिंबवानिमैकहै ९९ सप्तनं
गवानि दर्वयेतकालनाम स्रपनेचतुष्टस्रसपरकेचतुष्टेनेनासतदरबहै स्रा
पसोहैपरकेसनाकसमेंस्रसनासमोकेसोनकहैजाहि स्रबतबतबहै स्रस
कहैनासकास्रभावस्रसस्रबतबनासकहैस्रसनोहिनासस्रबतबहै एक

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

नेकहेनजाहिश्रसनानसम्रवतबस्यादवादसेतिसातनंगसधेसवहै १०० इव्यगुणप
रजाय जिवाएकजिवकेश्रनंतगुनाएकगुनकेश्रसंषपरजेदोसमांहिजानियै एकदे
समेंश्रनंकर्मवर्गणाहैएकवर्गणाश्रनंतपरमानूजानियै श्रनुमेंश्रनंतगुनाएक
गुनमेंश्रनंतपरजाय एककेश्रनंतनेदजानियै तिनतेइव्यैश्रनंतगुनेहोवेंगेश्र
नंतसबजानयतमेंमांहिदेवसेवधानियै १०१ छपय चेरचासुषमातनेसुनेपा
तिनहिकानन केईसुनिघरजाहिनाहिनावैंफिरश्रानन तिनकोल्लषिनुपगार
सारएहसतकवनाई पढतसुनतकेबुधमुदजिनवांनिगाई इसमेंश्रनेकसि
धांतकोमथनकथनश्रानंतकहा सबमांहिजिवकोनामहै जिवभावहमसर
दहा १०२ इतिचरचासतकसंपूर्णः